बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक** -16-09-2020

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ -10 सादी का सपना नामक कहानी के बारे में अध्ययन करेंगे।

शब्दार्थ

देहांत। - मृत्यु

प्रसिद्ध - विख्यात, मशहूर

आलीशान - भव्य, शानदार

बेबस - लाचार

सादी का सपना

ईरान के एक सुंदर नगर शीराज में एक लड़का रहता था। उसका नाम सादी था। जब वह बहुत छोटा था तब उसके पिता का देहांत हो गया। उसकी माँ ने कड़ी मेहनत करके उसका पालन पोषण किया।

आज ईद का चाँद दिखाई देने वाला था।

सादी अपने आँखों आसमान में गड़ाए हुए था। वह चाँद देखने की कोशिश कर रहा था। अचानक उसे चाँद नजर आ गया।

वह दौड़ता हुआ अपनी माँ के पास आकर बोला,

अम्मा – अम्मी कल ईद होगा न!

देखिए चाँद दिख गया! माँ ने मुसकराते हुए कहा, हाँ, कल ईद होगी।

सादी बोला, अम्मी, मेरे नए जूते अभी तक नहीं आए। आपने कहा था कि ईद से पहले दिला देंगी।

यह सुनकर माँ उदास हो गई। सादी के पिता की मृत्यु के बाद वे किसी -न-किसी तरह अपने लाडले बेटे की हर जरूरत को पूरी कर रही थीं।

इस ईद पर नए कपड़े तो जैसे – तैसे मिल गए थे, लेकिन वह जूते कहाँ से लाए?

गृहकार्य

विलोम शब्द लिखिए :

सुंन्दर - ----------

गरीब - ----------

सुख - ----------

प्रकाश - ----------

सारी - ----------

सपना - ----------

छोटा - ----------

बुरा। - ----------